नारको टेस्ट के लिये छत्तीसगढ़ हुआ आत्मनिर्भर, एम्स में नारको टेस्ट की मिली मंजूरी

चर्चा में क्यों?

15 मार्च, 2023 को प्रदेश के गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने विधानसभा में जानकारी दी कि नारको टेस्ट के लिये छत्तीसगढ़ अब आत्मनिर्भर बन गया है। रायपुर एम्स में नारको टेस्ट की मंजूरी मिल गई है।

प्रमुख बिंदु

- गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने विधानसभा में बताया कि अब बड़े अपराधों में इस्तेमाल किये जाने वाले नारको टेस्ट के लिये देश के बड़े राज्यों में नंबर नहीं लगाना पड़ेगा। राज्य सरकार ने नारको टेस्ट के लिये ज़रूरी औपचारिकताएँ पूरी कर ली हैं और रायपुर एम्स के साथ मिलकर इसके लिये ज़रूरी मशीनें भी मंगा ली गई हैं।
- गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने विधानसभा में अनुदान मांगों पर चर्चा करते हुए जानकारी दी कि छत्तीसगढ़ पुलिस अपराधियों पर लगाम कसने के लिये लगातार नयी तकनीकों का इस्तेमाल कर रही है।
- बढ़ते हुए साइबर अपराधों पर नकेल कसने के लिये सभी पाँच रेंज मुख्यालयों में साइबर थानों की स्थापना की जा रही है। अपराधों पर लगाम लगे इसके लिये दुर्ग में फॉरेंसिक साइंस लेबोरेट्री कालेज की स्थापना भी की जाएगी।
- वर्तमान में प्रदेश के 11 ज़िलों में डायल 112 की सुविधा थी जिसमें अब 17 अन्य ज़िलों को भी शामिल कर लिया गया है। इस तरह से अब डायल 112 की सुविधा 28 ज़िलों में होगी।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/chhattisgarh-becomes-self-sufficient-for-narco-test,-approval-for-narco-test-in-aiims